ओ. एस.डी.ए.वी पब्लिक स्कूल , कैथल
सितंबर परीक्षा (2024-25) **SET-A**
कक्षा : आठवीं
विषय : नैतिक शिक्षा

समय: 1 घंटा 30 मिनट **कुल अंक : 40**
सामान्य निर्देश :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न सं	प्रश्न	अंक
1	भगवान का सर्वश्रेष्ठ नाम क्या है?	1
2	नाद शब्द का अर्थ बताइए।	1
3	श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश अर्जुन को कहाँ दिया?	1
4	मनुष्य का अधिकार किस में नहीं है?	1
5	अस्तेय शब्द का क्या अर्थ है?	1
6	सभी भाषाओं में सबसे प्राचीन भाषा कौन सी है?	1
7	महर्षि दयानंद जी के गुरु का नाम लिखिए।	1
8	गीता के दो श्लोक पाठ में शरीर को कैसा बताया गया है?	1
9	पाँचवाँ महायज्ञ कौन सा है?	1
10	अनादि नाद का त्याग कौन करते हैं?	1
11	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो से तीन वाक्यों में दीजिए –** **1)** ओउम् ध्वज ही सार्वभौम ध्वज क्यों है? 2) वांसासि जीर्णानि ……. नवानि देसी श्लोक का भावार्थ लिखें। 3) चार प्रकार के कर्म कौन से हैं? उनके नाम व स्वरूप लिखिए। 4) संस्कृत साहित्य के किन्हीं दो ग्रन्थों के नाम लिखिए। 5) डी.ए. वी. के साथ दयानंद जी और हंसराज जी का क्या संबंध है? 6) गायत्री मंत्र के जप की विधि और समय बताएँ। 7) अतिथि यज्ञ की विधि का उल्लेख कीजिए।	2×7=14
12	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार से पाँच वाक्यों में दीजिए।** **1)** ओउम् नाम की विशेषताएँ लिखिए। 2)अहिंसा का संबंध मनोवृति से है क्रिया से नहीं। **इसे उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें।**	3×2=6
13	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम वाक्यों में दीजिए-** **1)**राष्ट्रभाषा का होना क्यों आवश्यक है? हिंदी को सभी देशवासी अपनाएँ, इसके लिए आप क्या करेंगे? 2) हमें संस्कृत भाषा का अध्ययन क्यों करना चाहिए?	5×2=10

Subject : Drawing
Class : VIII

Time:- 1:20 hrs. **M.M.:- 20**
General Instructions: All the two questions are compulsory.

Q.No.	Questions	Marks
1	Sketch a crane with its surroundings and shade it with different shading pencils.(HB,2B,6B). **OR** Sketch a animal composition and colour it.	10
2	Draw a composition Of flowers and colour it.	10

ओ. एस.डी.ए.वी पब्लिक स्कूल, कैथल
सितंबर परीक्षा (2024-25) **(Set B)**
कक्षा : आठवीं
विषय : नैतिक शिक्षा

समय: 1 घंटा 30 मिनट **कुल अंक : 40**
सामान्य निर्देश :-सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न सं	प्रश्न	अंक
1	सारे संसार का प्राण कौन है?	1
2	पोच शब्द का अर्थ बताइए।	1
3	श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश किसको दिया?	1
4	मनुष्य का अधिकार किस में है?	1
5	ब्रह्मचर्य की अवस्था कितने वर्ष तक कही गई है?	1
6	हमारा प्राचीनतम साहित्य किस भाषा में है?	1
7	किसका ध्यान करने से बुद्धि की मलिनता दूर होती है?	1
8	गीता के दो श्लोक पाठ में आत्मा को कैसा बताया गया है?	1
9	चौथा महायज्ञ कौन सा है?	1
10	अनादि नाद का त्याग कौन नहीं करते?	1
11	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो से तीन वाक्यों में दीजिए** – 1) वेद ज्ञान के घर-घर में भर जाने का क्या लाभ होगा? 2) कर्मण्ये वाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफल हेतु भूर्मा ते सङ्गोस्त्वकर्मणि का अर्थ लिखिए। 3) अभिवादनशील को किन चार वस्तुओं की प्राप्ति होती है? 4) संस्कृत साहित्य के किन्हीं दो लेखकों के नाम लिखिए। 5) डी.ए.वी. गान के प्रथम पद में डी.ए.वी. के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है? 6) गायत्री मंत्र के जप की विधि और स्थान को बताएँ। 7) बलिवैश्वदेव यज्ञ की विधि का उल्लेख कीजिए।	2×7=14
12	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार से पाँच वाक्यों में** दीजिए। 1) ओउम् नाम की महिमा लिखिए। 2) अहिंसा शब्द का क्या अर्थ है ? विस्तार से लिखिए।	3×2=6
13	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम वाक्यों** में दीजिए- 1) महात्मा गाँधी ने बी.बी.सी को भारत के आजाद होने पर अपना संदेश प्रसारित करने के लिए क्यों नहीं दिया? 2) संस्कृत भाषा और भारतवासियों का माता और पुत्र का संबंध किस प्रकार है	5×2=10

Subject : Drawing
Class : VIII

Time:- 1:20 hrs. **M.M.:- 20**
General Instructions: All the two questions are compulsory.

Q.No.	Questions	Marks
1	Sketch a crane with its surroundings and shade it with different shading pencils.(HB,2B,6B). **OR** Sketch a animal composition and colour it.	10
2	Draw a composition Of flowers and colour it.	10

ओ. एस .डी. ए .वी .पब्लिक स्कूल, कैथल

सितंबर परीक्षा (2024- 25)

विषय नैतिक शिक्षा

कक्षा आठवीं

Set -A

Time:- 1 hrs. 10 मिनट **अधिकतम अंक 40**

निर्देश- यदि ऐसा कोई सही उत्तर जो परीक्षार्थी ने लिखा है परंतु निम्नलिखित उत्तर संकेत में सम्मिलित न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

उत्तर	**अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु (खंड -क)**	**अंक**
1	ओउम्	1×10=10
2	ध्वनि	
3	कुरुक्षेत्र में युद्ध के मैदान में	
4	फल की प्राप्ति में नहीं	
5	चोरी न करना	
6	**संस्कृत**	
7	**स्वामी विरजानंद**	
8	**नश्वर**	
9	बलिवैश्वदेव यज्ञ	
1o	पापी ,रोगी, शक्तिहीन ,चिंता से ग्रस्त लोग	
11	**1) ओउम् ध्वज ही सार्वभौम ध्वज इसलिए है क्योंकि यह ईश्वर का प्रतीक होते हुए हमारे जीवन को सभी क्षेत्रों में प्रगति करने की प्रेरणा देता है ।यह हमें सभी मानवीय गुणों को धारण करने की प्रेरणा देता है।** **2) श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहा कि जैसे मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्याग कर नए वस्त्रों को धारण कर लेता है वैसे ही जीवात्मा पुराने शरीर को त्याग कर दूसरा नया शरीर धारण कर लेती है।** **3) नित्य कर्म, नैमित्तिक कर्म , काम्य कर्म, निषिद्ध कर्म**	2×7=14

	4) अर्थशास्त्र, रामायण , गीता, महाभारत आदि। **5) महात्मा हंसराज के साथ त्याग शक्ति का ,स्वामी दयानंद जी के साथ प्रेम भक्ति का** **6) विधि - श्रद्धा और विश्वास पूर्वक स्थित चित्त से अर्थ चिंतन सहित गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए।** **समय - प्रातः स्नान करने के पश्चात ,रात्रि में सोने से पूर्व।** **7) अतिथि यज्ञ एक भी नित्य कर्म है। यदि कोई व्यक्ति बिन बुलाए, बिना सूचना दिए अपरिचित रूप से आपके घर आ जाए तो उसका स्वागत कीजिए ,सत्कार दीजिए ,उसे खाने और पीने को दीजिए।यह अतिथि यज्ञ हमारी संस्कृति का एक उज्ज्वलतम चिन्ह है। चालीस दिन भूखे रहकर भी अतिथि यज्ञ से विरत न होने वाले राजा रन्तिदेव इस यज्ञ के आदर्श माने जाते हैं।इस अतिथि यज्ञ की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर उन्होंने किसी फल की कामना नहीं की। उनके मुख से यही निकला ,नहीं चाहिए मुझे स्वर्ग, नहीं चाहिए राज्य, नहीं चाहिए मोक्ष, देना चाहते हैं हो तो दाता ऐसा वर दो कि मैं दुखी लोगों के दुखों को दूर कर सकूँ।**	
12	1) • **ओउम् नाम मानव के मन - मंदिर का प्रकाश है।** • **ओउम् नाम के जप से रसना रसीली हो जाती है।** • **ओउम् जगत का अनुपम आधार है।** • **ओउम् नाम के जाप करने से मानव विश्व के वैभव का स्वामी बन जाता है।** • **ओउम् नाम के जप से वाणी में पवित्रता आती है।** • **ओउम् नाम का गुणगान करने वाला मनुष्य किसी से पराजित नहीं होता।** **2) अहिंसा का संबंध मनोवृति से है क्रिया से नहीं जैसे एक कुशल योग्य डॉक्टर अपनी रोगी को बचाने के लिए उसका पेट चीरता है या टाँग काट देता है।कभी ऐसा करते हुए रोगी की मृत्यु हो जाती है तो क्या ऐसे डॉक्टर को हम हिंसक कहेंगे ?कदापि नहीं क्योंकि वह सारा काम सात्विक वृत्ति से कर रहा रहा है । सच्चा क्षत्रिय जब युद्ध में देश देशद्रोहियों का हनन करता है तो वह हिंसा नहीं करता अपितु अपने कर्तव्य का पालन करता है।**	3×2=6
13	**1) किसी राष्ट्र के समस्त देशवासियों में सच्चा प्रेम ,संगठन और एकता की भावना को भरने के लिए राष्ट्रभाषा का होना आवश्यक है।इस बात से कोई बुद्धिमान इनकार नहीं कर सकता जहाँ लोग एक दूसरे की बात को समझ नहीं सकते वहाँ परस्पर प्रेम और सहयोग की भावना उत्पन्न होना असंभव है।भारत की वर्तमान अवस्था को ध्यान में रखते हुए हमारी राष्ट्रभाषा कौन सी हो जिसे हम पूर्णतया अपनाए और जिसका प्रसार राष्ट्रवासियों को एक सूत्र में पिरोने के लिए करें।** **2) • हमारा प्राचीनतम साहित्य संस्कृत भाषा में है।** • **संस्कृत और भारतवासियों का माता और पुत्र सा संबंध है।** • **अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए संस्कृत का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है।**	5×2=10

	• संस्कृत के विद्वान यह मानने लगे हैं कि कंप्यूटर के लिए सबसे सरल और प्रयुक्त भाषा संस्कृत है। • संस्कृत में अध्यात्म विद्या का असीम ज्ञान का अक्षण भंडार है। • भारतवासियों का साहित्य ,वेद ,ब्राह्मण, उपनिषद ,दर्शन, धार्मिक ग्रंथ और इतिहास आदि संस्कृत में ही हैं। • इसके व्याकरण और अनुवाद का शिक्षण बुद्धि को वह दिशा देता है जिससे छात्रों का गणित तथा विज्ञान के विषय में प्रवेश सुगम हो जाता है।	

ओ. एस .डी. ए .वी .पब्लिक स्कूल, कैथल

सितंबर परीक्षा (2024- 25)

विषय नैतिक शिक्षा

कक्षा आठवीं

Set -B

Time:- 1 hrs. 10 मिनट **अधिकतम अंक 40**

निर्देश- यदि ऐसा कोई सही उत्तर जो परीक्षार्थी ने लिखा है परंतु निम्नलिखित उत्तर संकेत में सम्मिलित न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

उत्तर	**अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु (खंड -क)**	**अंक**
1	ओउम्	1×10=10
2	कामचोर , तुच्छ	
3	अर्जुन को	
4	कर्म करने में	
5	25 वर्ष	
6	**संस्कृत में**	
7	**परमात्मा के उत्तम तेज का अथवा गायत्री मंत्र का अथवा ओउम् का**	
8	**शाश्वत**	
9	अतिथि यज्ञ	
1o	योगीजन, पूजनीय लोग, तपस्वी,जो संसार से विरक्त हो गए हैं,साधु- संत।	
11	**1) शांति व प्रेम का प्रसार होगा ।सबका जीवन मंगलमय होगा। सभी मनुष्य सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलेंगे ।सब में त्याग की भावना होगी।** **2) हे अर्जुन! तेरा कर्म करने मात्र में ही अधिकार हो, फल में कभी नहीं ।तू कर्मों के फल की वासना वाला भी मत हो तथा तेरी कर्म न करने में भी प्रीति न हो।** **3) आयु,विद्या, यश और बल** **4) कालिदास, कौटिल्य, वाल्मीकि आदि** **5) अविरल, निर्मल ,सलिल ,सदय, ज्ञान प्रदायिनी ,ज्योतिर्मय**	2×7=14

	6) विधि - श्रद्धा और विश्वास पूर्वक स्थित चित्त से अर्थ चिंतन सहित गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए । **जप का स्थान पवित्र और शांत होना चाहिए।** **7) पाँचवाँ नित्य कर्म बलिवैश्वदेव यज्ञ या भूत यज्ञ है। इसका अर्थ है समस्त प्राणियों के कल्याण के लिए प्रयत्न करना, दान देना। सबके लिए प्रार्थना करना, स्वयं भोजन करने से पूर्व यज्ञ की अग्नि में या रसोई के चूल्हे में नमकीन वस्तुओं को छोड़कर मीठा मिले हुए वस्तुओं को उन सब प्राणियों के लिए आहुतियाँ देना तो इस विशाल संसार में रहते हैं ।चीटियों को आटा, चिड़ियों को चुग्गा ,पानी आदि देखकर सुखी बनाने का प्रयत्न भी इसी यज्ञ के अंतर्गत है।**	
12	**1)ओउम् नाम मानव के मन - मंदिर का प्रकाश है ।** • **ओउम् नाम के जप से रसना रसीली हो जाती है।** • **ओउम् जगत का अनुपम आधार है ।** • **ओउम् नाम के जाप करने से मानव विश्व के वैभव का स्वामी बन जाता है।** • **ओउम् नाम के जप से वाणी में पवित्रता आती है ।** • **ओउम् नाम का गुणगान करने वाला मनुष्य किसी से पराजित नहीं होता।** **2)अहिंसा - मन ,वचन और कर्म से गंदी मनोवृतियों के साथ किसी प्राणी को मानसिक या शारीरिक कष्ट पहुँचाना हिंसा है और सारे प्राणियों के हित के लिए पवित्र मन से कार्य करना अहिंसा है ।अहिंसा से अभिप्राय केवल व्यवहार सहना या देश पर आक्रमण करने वालों से डरना नहीं है बल्कि बुरी भावना से किए गए कार्य को रोकना तथा प्राणियों के सुख और कल्याण के लिए आगे बढ़कर आहुति देने को तैयार रहना ही अहिंसा है।**	3×2=6
13	**1)देश के आजाद होने पर बी.बी.सी से लंदन के अधिकारी गाँधी जी से संदेश लेने पहुँचे थे जिसे वह रेडियो पर सुना सकें ।उन दिनों तक बी. बी. सी से हिंदी में प्रसारण नहीं होते थे परिणाम हुआ कि गांधी जी ने कोई संदेश नहीं दिया । उन्हें यह कह कर लौटा दिया कि दुनिया को भूल जाना चाहिए कि गाँधी अर्थात भारत अंग्रेजी जानता है ।गांधीजी तो कहा करते थे कि यदि मेरे हाथ में देश की बागडोर होती तो आज ही विदेशी भाषा में शिक्षा दिया जाना बंद कर देता। सारे अध्यापकों को स्वदेशी भाषा अपनाने को मजबूर कर देता। जो आनाकानी करते उन्हें बर्खास्त कर देता तथा पाठक पुस्तकों के तैयार हो जाने का इंतजार न करता।** **2)संस्कृत भाषा में भारत की संस्कृति तथा सभ्यता का निर्माण किया है।भारत की आधुनिक भाषाएँ संस्कृत भाषा से निकली हैं । अतएव संस्कृत अन्य भाषाओं की जननी है। भारतवासियों का साहित्य ,वेद ,ब्राह्मण, उपनिषद ,दर्शन, धार्मिक ग्रंथ और इतिहास आदि संस्कृत में ही हैं ।संस्कृत ज्ञान के बिना भारतीयों के अस्तित्व की रक्षा असंभव है ।इसलिए संस्कृत और भारतवासियों का माता और पुत्र सा संबंध है।**	5×2=10